7/7/22 पत्रावली पेश हुई। वादी अथवा वादीगण की ओर से कोई हाजिर नहीं आये। न्यायालय परिसर के बाहर बार-बार आवाज लगवाई गई। बावजूद आवाज के भी कोई हाजिर नहीं आया।
प्रतीत होता है कि वादी अपने वाद के प्रति उदासीन है तथा अपने वाद को आगे चलाना नहीं चाहता।

अतः वाद वादी अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली जैल मुताबिक होकर नम्बर से कम हो। दाखिल दफ्तर हो।